SWAMI DHARMABANDHU COLLEGE OF EDUCATION
(B.Ed. & D.El.Ed.)
(Recognised by: ERC-NCTE & Affiliated to Vinoba Bhave University, Hazaribag and JAC, Ranchi)
Harhad, Mukundganj, PO-Banha Nawada, Dist – Hazaribag, (Jharkhand) 825301
Email: sdbce.hzb@gmail.com Website: www.sdce.co.in
Contact No.: 9471176767 / 06546-291700 / 9304397966

Date: 30/06/2026

भारतीय ज्ञान प्रणाली पर रिपोर्ट

आयोजक: आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC), स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हजारीबाग
स्थान: सेमिनार हॉल, स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हजारीबाग
दिनांक: 30 जून 2026

30 जून 2026 को स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हजारीबाग के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) द्वारा "भारतीय ज्ञान परंपरा" विषय पर हाइब्रिड मोड में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपराओं की समृद्ध विरासत तथा समकालीन शिक्षा एवं समाज में उनकी प्रासंगिकता का अध्ययन एवं विमर्श करना था।

सेमिनार के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) चंद्र भूषण शर्मा, कुलपति, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग थे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में श्री सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा, कुलसचिव तथा डॉ. पंकज कुमार मांझी, परीक्षा नियंत्रक, विनोबा भावे विश्वविद्यालय उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर हार्दिक स्वागत किया गया।

अपने संबोधनों में अतिथियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल बौद्धिक विकास ही नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा मानव कल्याण की भावना को भी विकसित करती है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप भारतीय ज्ञान प्रणाली को शिक्षा व्यवस्था में समाहित करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

सेमिनार में प्रो. (डॉ.) पी. एन. सिंह, प्रो. (डॉ.) ए. के. पांडेय तथा प्रो. (डॉ.) मृत्युंजय प्रसाद जैसे प्रतिष्ठित विद्वानों ने भारतीय दर्शन, वैदिक साहित्य, योग, आयुर्वेद तथा भारतीय पारंपरिक ज्ञान की शैक्षिक उपयोगिता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उनके व्याख्यानों ने प्रतिभागियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के सिद्धांतों को अपने शैक्षणिक एवं व्यावसायिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इस राष्ट्रीय सेमिनार में विभिन्न शिक्षण संस्थानों से शिक्षक-शिक्षकों, शोधार्थियों, बी.एड. प्रशिक्षुओं तथा शिक्षाविदों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह कार्यक्रम अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं सफल रहा। अंत में डॉ. घनश्याम राम सहायक प्राध्यापक ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सेमिनार का सफलतापूर्वक समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

Sarika
30/06/2026
Principal
Swami Dharmabandhu College of Education
Harhad, Mukundganj, Hazaribag,